एम.ए. (पूर्वार्द्ध)
विशेष रचनाकार: कबीरदास

पूर्णांक: 100

प्रश्न-पत्र-पंचम

समय: 3 घंटे

निर्देश

1. पूरे पाठ्य विषय से 10 अति लघु प्रश्न पूछे जाएंगे। परिक्षार्थियों को प्रत्येक प्रश्न का (लगभग 30 से 50 शब्दों में) उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न दो अंकों का होगा और पूरा प्रश्न बीस अंकों का होगा।
2. पहला खण्ड व्याख्या का होगा। व्याख्या के लिए कुल छः अवतरण पूछे जाएंगे, जिनमें से तीन की व्याख्या परिक्षार्थियों को करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या 10 अंकों की होगी और पूरा प्रश्न 30 अंकों का होगा।
3. तीसरे खण्ड में पूरे पाठ्य विषय से 10 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परिक्षार्थियों को पांच के उत्तर लिखने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 4 अंकों का और पूरा प्रश्न 20 अंकों का होगा। (प्रत्येक उत्तर लगभग 150 शब्द)
4. प्रश्न पत्र का दूसरा खंड आलोचनात्मक होगा। पांच आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परिक्षार्थियों को दो प्रश्नों का उत्तर होगा। प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न 15 अंकों का और पूरा प्रश्न 30 का होगा।

पाठ्य विषय

कबीर ग्रंथावली

व्याख्या हेतु निर्धारित अंश

(क) साखी-निम्नांकित अंग निर्धारित हैं:

1. गुरुदेव कौ अंग
2. सुमिरण कौ अंग
3. बिरह कौ अंग
4. ग्यान बिरह कौ अंग
5. परचा कौ अंग
6. निहकर्मी पतिव्रता कौ अंग
7. चितावणी को अंग
8. मन कौ अंग
9. माया कौ अंग
10. सजह कौ अंग
11. सांच कौ अंग
12. भ्रम विधौंषण को अंग
13. भेष कौ अंग
14. कुसंगति कौ अंग
15. साध कौ अंग
16. साध महिमा कौ अंग
17. मधि कौ अंग
18. सारग्राही कौ अंग
19. उपदेश कौ अंग
20. बेसास कौ अंग
21. सबद कौ अंग
22. जीवन मृतक कौ अंग
23. हेत प्रीत सनेह कौ अंग
24. काल कौ अंग
25. कस्तूरियां मृग कौ अंग
26. निंद्या कौ अंग
27. बेली कौ अंग
28. अविहड़ कौ अंग

(ख) पदः 1 से 100 तक

(ग) रमैणी: सम्पूर्ण

आलोच्य विषय

निर्गुण मत और कबीर

भक्ति आन्दोलन और कबीर

मध्यकालीन धर्म साधना और कबीर

कबीर का युग

कबीर का जीवन

कबीर का साहित्य

कबीर की सामाजिक विचारधारा

कबीर की धार्मिक विचारधारा

कबीर की भक्ति

कबीर का रहस्यवाद

कबीर की भाषा

कबीर का काव्य-शिल्प

कबीर की उलटवासियों

कबीर की प्रासंगिकता

कबीर की साहित्य में प्रयुक्त कुछ पारिभाषित शब्द-अजपाजाप, अनहदनाद, उनमन, निरंजन, सुरति निरति, सहज, शून्य नाद-बिन्दु, औंधा कुआ।